GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY
DEPARTMENT FOR PROMOTION OF INDUSTRY AND INTERNAL TRADE

RAJYA SABHA

STARRED QUESTION NO. 124.
TO BE ANSWERED ON FRIDAY, THE 06TH DECEMBER, 2024.

HYDERABAD-BENGALURU INDUSTRIAL CORRIDOR (HBIC)

124. Shri Anil Kumar Yadav Mandadi:

Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) status of the Hyderabad – Bengaluru Industrial Corridor as on date;

(b) the details of the funds earmarked for implementation of Hyderabad – Bengaluru Industrial Corridor as on date;

(c) the tentative time by which the Hyderabad – Bengaluru Industrial Corridor will be made operational; and

(d) potential employment opportunity that will be generated when Hyderabad-Bengaluru Industrial Corridor is completed?

ANSWER
THE MINISTER OF COMMERCE & INDUSTRY
(SHRI PIYUSH GOYAL)

(a) to (d): A statement is laid on the Table of the House.

****

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 124 FOR ANSWER ON 6th DECEMBER, 2024

(a) to (d): Government of India (GoI) in December, 2020 had approved Hyderabad-Bengaluru Industrial Corridor (HBIC) as part of National Industrial Corridor Development Programme (NICDP). Under HBIC, Orvakal Industrial Area in the State of Andhra Pradesh has been approved on 28th August, 2024 by GoI with a total project cost of Rs. 2,786.10 crore (incl. land cost) for development of trunk infrastructure packages. Tentative timelines for operation of HBIC depend on various approvals required for implementing the project. The total construction timelines of 36-48 months start from the actual date of appointment of EPC contractor. The potential employment opportunity is estimated at around 45,000 upon completion of HBIC, as per the detailed project proposal.

****

भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या : 124

शुक्रवार, 06 दिसम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारा (एचबीआईसी)

***124. श्री अनिल कुमार यादव मंदादीः**

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आज की तिथि के अनुसार, हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे की स्थिति क्या है;

(ख) आज की तिथि के अनुसार, हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे के कार्यान्वयन के लिए निर्धारित धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे को कब तक चालू कर दिए जाने की संभावना है; और

(घ) हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे के पूरा हो जाने पर रोजगार के क्या अवसर सृजित होने की संभावना है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ) : विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

दिनांक 06.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 124 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ) : भारत सरकार (जीओआई) ने दिसंबर, 2020 में राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के भाग के रूप में हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक कॉरिडोर (एचबीआईसी) को अनुमोदित किया। एचबीआईसी के तहत, भारत सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश राज्य में ओर्वाकल औद्योगिक क्षेत्र को मुख्य अवसंरचना पैकेजों के विकास के लिए 2,786.10 करोड़ रुपए (भूमि लागत सहित) की कुल परियोजना लागत के साथ दिनांक 28 अगस्त, 2024 को अनुमोदन प्रदान किया गया। एचबीआईसी के संचालन की संभावित समय-सीमा, परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक विभिन्न अनुमोदनों पर निर्भर करती हैं। ईपीसी संविदाकार की नियुक्ति की वास्तविक तारीख से 36-48 माह की कुल निर्माण समय-सीमा शुरू होगी। विस्तृत परियोजना प्रस्ताव के अनुसार, एचबीआईसी के पूरा होने पर रोजगार के लगभग 45,000 अवसर उत्पन्न होने का अनुमान है।

*****

श्री अनिल कुमार यादव मंदादी: सर, अभी सिर्फ दो मिनट बाकी हैं, फिर भी मैं जल्दी से अपना सवाल पूछ लेता हूं। As per the reply, the Government had approved the Hyderabad-Bengaluru Industrial Corridor in the year 2020. Now, we are in the last month of 2024. Even after four years of the announcement of the project, the Government could not tell the time by when the project will be operational. In my first supplementary, I would like to know from the Minister the status of appointment of EPC contractor of the Hyderabad-Bengaluru Industrial Corridor project.

श्री पीयूष गोयल: सर, ये तो 2007 में यह स्कीम लाए थे और 2014 तक, सात साल तक इसमें कुछ नहीं किया। जब 2014 में चुनाव आया, तो जनवरी, 2014 में ये तैयार हुए और कुछ एनाउंसमेंट कर दी। ये क्या पूछ रहे हैं, मैं समझ नहीं पा रहा हूं। वास्तविक स्थिति यह है कि 2020 में corridor announce हुआ था और जो industrial nod है, वह इसी साल 2 महीने पहले 28 अगस्त को एनाउंस हुआ है। आंध्र प्रदेश सरकार और हमारा जो joint venture है, वह इसमें EPC contractor की tendering करेगा। हम हर एक चीज़ पारदर्शिता से करते हैं। कोई आधा-अधूरा, किसी को कोयले की खदानों की तरह कुछ बांट दिया, ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट बांट दिया, यह हमारे काम का स्टाइल नहीं है। ...(**व्यवधान**)... आंध्र प्रदेश की सरकार ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट को पारदर्शिता से चुनेगी। उसमें टेंडरिंग होगी और फिर उसके बाद उसमें काम होगा। ...(**व्यवधान**)... आप पहले कॉरिडोर और नोड के बीच में डिफरेंस समझिए।

1.00 P.M.

Corridor एक पूरा region होता है। ...(**व्यवधान**)... एक जगह से दूसरी जगह पूरा corridor होता है और उसके अंदर nodes तय होते हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over. ...*(Interruptions)*... I am taking up Zero Hour. Shrimati Mamata Thakur. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI MAMATA THAKUR: Sir, ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned to meet at 2.00 p.m.